सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मछलियां पानी में रहती हैं, जैसे इंसान जमीन पर रहता है, बड़े वाले छोटे वालों को खा जाते हैं।
–विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 47 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 मार्च, 2023

नीतीश कुमार को 36 घंटे में बम से... 8 | सपा कर सकती है भाजपा को... 3 | अहंकार की वजह से बजट पर की... 7

दिल्ली में मोदी के पोस्टर पर रार

आप-भाजपा में वार-पलटवार

» दिल्ली पुलिस ने 138 एफआईआर दर्ज कीं

» आखिर यों डर रहे पीएम

» भाजपा भी तिलमिलाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में पीएम मोदी को लेकर लगे पोस्टर पर राजनीति शुरू हो गई है। राजधानी के कई इलाकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों को लेकर आप व बीजेपी में वार-पलटवार शुरू हो गया है। जहां आप ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसा करना कोई जुर्म नहीं है। वहीं भाजपा ने इसे माहौल खराब करने वाली करतूत बताकर विपक्ष को घेरा है।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पीएम मोदी समेत अन्य आपत्तिजनक पोस्टर मामलों में पुलिस ने अभी तक कुल 138 एफआईआर दर्ज की हैं और 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कुल दर्ज एफआईआर में 36 एंटी मोदी पोस्टर लगाने को लेकर हैं,पुलिस के मुताबिक, पोस्टरों में प्रिंटिंग प्रेस का नाम नहीं लिखा था, इसलिए कारवाई बड़े पैमाने पर हो रही है, 2000 हजार पोस्टर दीवारों से हटाए गए, जबकि 2000 हजार जब्त किए गए हैं, अब तक 4 आरोपी गिरफ्तार जिनमें 2 प्रिंटिंग प्रेस के मालिक हैं। इन पोस्टरों पर लिखा था- मोदी हटाओ देश बचाओ।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

तानाशाही शिखर पर पहुंच गई है : आप

आम आदमी पार्टी ने इस पर तंज किया है कि दिल्ली में तानाशाही शिखर पर पहुंच गई है। आप ने ट्वीट किया- मोदी सरकार की तानाशाही चरम पर है?इस पोस्टर में ऐसा क्या आपत्तिजनक है जो इसे लगाने पर मोदी जी ने 100 एफआई कर दी? पीएम मोदी आपको शायद पता नहीं पर भारत एक लोकतांत्रिक देश है. एक पोस्टर से इतना डर! क्यों?

जंतर-मंतर से मोदी हटाओ देश बचाओ का नारा और बुलंद होगा : गोपाल राय

उधर आप के संयोजक गोपाल राय ने ऐलान किया है कि आम आदमी पार्टी जंतर-मंतर से मोदी हटाओ देश बचाओ का नारा बुलंद करेगी। पोस्टर मामले में गोपाल राय ने कहा, पोस्टर लगाने पर एफआईआर दर्ज की है, क्या आपत्तिजनक पोस्टर है? मोदी हटाओ देश बचाओ का नारा आम आदमी पार्टी अगर दे रही है, तो दिक्तत क्या है? भाजपा भी तमाम तरह के पोस्टर विरोधी पार्टियों के लिए लगाती रहती है। देश के पीएम अगर लोगों की आकांक्षा पूरा करने में असफल हो रहे हैं, देश के संविधान पर हमला कर रहे हैं, तो इसका एक ही समाधान है कि मोदी हटाओ देश बचाओ। बीजेपी हजारों पोस्टर लगवाती रहती है कभी एफआईआर नहीं होती। रोजाना केजरीवाल के खिलाफ बीजेपी पोस्टर लगाती है कभी केस दर्ज नहीं होता। यह एक तरह का डर दिख रहा है यह पार्टियों का अधिकार है कि वह क्या नारा लगाते हैं पुलिस को इस तरह की एकतरफा कार्यवाही नहीं करनी चाहिए।

पहले आप चोरी करती है फिर सीनाजोरी : हरीश खुराना

पोस्टर विवाद पर दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता हरीश खुराना का कहना है कि कानून के अनुसार प्रिंटर के नाम के साथ पोस्टर लगाने होते हैं। आम आदमी पार्टी ने पोस्टर लगाने में कानून का पालन नहीं किया। आप में हिम्मत नहीं है कि वे कहे उसी ने पोस्टर लगाएं हैं। एक तो चोरी ऊपर से सीनाजोरी। कुछ यही आलम आम आदमी पार्टी का है, आप पोस्टर लगवाते हो बिना नाम के, जब एफआईआर होती है, तो चिल्लाना शुरू कर देते हो कि देश के अंदर लोकतंत्र नहीं है. कानून तो आप मानते नहीं, इसलिए पोस्टर लगवा दिए. हिम्मत है, तो नाम डालिए. कानून अपना काम कर रहा है। इसके बीच पॉलिटिक्स करने की कोशिश मत कीजिए।

और संवरेगी राजधानी दिल्ली, 2023-24 का बजट पेश

» 78 हजार रुपये का प्रावधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। काफी विवादों के बाद बुधवार को दिल्ली का बजट पेश कर दिया गया। इसबार का बजट नए वित मंत्री कैलाश गहलोत ने पेश किया। इससे पहले आठबार यह बजट मनीष सिसोदिया पेश करते रहे हैं।

बुधवार को सदन में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 78 हजार रुपये का बजट पेश किया। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी विधानसभा में मौजूद रहे।

27 मार्च तक चलेगा सदन

कल मंगलवार को सदन में निर्णय लिया गया था कि 23 मार्च को सदन की बैठक नहीं होगी। कल यानी 23 मार्च को शहीद भगत सिंह की पुण्यतिथि है। अब सदन 27 मार्च तक चलेगा।

मनीष के काम नहीं रुकने दूंगा : सीएम केजरीवाल

दिल्ली का बजट पेश किए जाने से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि आज मनीष सिसोदिया को बहुत मिस कर रहा हूं। आज दिल्ली का बजट पेश किया जाएगा। दिल्ली के सब लोग आज मनीष जी को बहुत मिस कर रहे हैं। पर उनके काम रुकने नहीं देंगे। उनके द्वारा शुरू किए गए सभी काम दोगुनी स्पीड से किए जाएँगे।

सिसोदिया मेरे बड़े भाई : वित्त मंत्री

बजट भाषण के दौरान सबसे पहले वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, यह सरकार का नौवां और वित्त मंत्री के रूप में मेरा पहला बजट है। यह केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि जन भावनाओं का भी प्रतीक है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मेरे बड़े भाई हैं। जैसे राम वनवास गए तो भरत ने काम संभाला, वैसे मैं भी वही कर रहा हूं। उन्होंने कहा दिल्ली मॉडल एक गारंटी है कि लोगों को मुफ्त बिजली-पानी के साथ-साथ विश्व स्तरीय स्वास्थ्य और शिक्षा भी मुफ्त में मिल रही है। इस बार 78,800 करोड़ का बजट प्रस्तावित है जबकि वर्ष 2014-15 में 30,244 करोड़ का बजट था। यह तब से ढाई गुना से अधिक है। सेंट्रल पूल से 8 साल से उतना ही पैसा मिल रहा है, कोई बदलाव नहीं।

बस विज्ञापनों में ही थर-थर कांप रहे अपराधी : प्रियंका

महिलाओं की नहीं होती कोई सुनवाई

मुरादाबाद में छात्रा की मौत पर योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि यूपी में महिलाओं की सुधि लेने वाला कोई नहीं है। पूरे प्रदेश में बच्चियों के साथ यौन शोषण, छेड़खानी की घटनाएं बढ़ी हैं पर सरकार की कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

कांग्रेस नेता ने मुरादाबाद की एक छात्रा के सुसाइड नोट का जिक्र करते हुए ट्वीट किया। इसमें कहा गया है कि यूपी में यह पहला वाकया नहीं है कि जब पीड़िता की बात नहीं सुनी गई। मीडिया में विज्ञापनों में कहा जाता है कि यूपी में अपराधी थर-थर कांप रहे हैं लेकिन असलियत में यहां हर दिन अपराधी बेखौफ होकर महिलाओं के खिलाफ अपराध करते हैं। सरकारी तंत्र में महिलाओं की कोई सुनवाई नहीं होती है।

कांग्रेस सीडब्ल्यूसी की घोषणा जल्द

कांग्रेस की सेंट्रल वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की घोषणा जल्द होगी। यूपी की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई राज्यों के प्रभारी महासचिव बदले जा सकते हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अभी तक सीडब्ल्यूसी का गठन नहीं किया। इस बार सीडब्ल्यूसी में 35 सदस्यों को शामिल किए जाने की संभावना है। इनमें यूपी से भी तीन-चार नेता हो सकते हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी यूपी की प्रभारी महासचिव हैं लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद सिर्फ एक बार यहां आई हैं। ऐसे में इन कयासों को काफी बल मिल रहा है कि यहां के प्रभारी महासचिव की उनकी जिम्मेदारी बदल सकती है।

पंजाब में निर्दोषों पर न हो कार्रवाई : अमरिंदर

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को केंद्र व पंजाब सरकार की मंशा पर शक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में अमृतपाल कैसे फरार हुआ? यानी अमृतपाल को योजना की जानकारी थी। मुझे पंजाब और केंद्र सरकार दोनों की मंशा पर शक है। इसके पीछे कोई साजिश है। देश विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों और खालिस्तान की बात करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन पंजाब के निर्दोष युवाओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

ज्ञात हो कि कट्टरपंथी खालिस्तान समर्थक अमृतपाल की तलाश में पंजाब पुलिस की कई टीमें लगी हैं। मगर अमृतपाल कहां है... किसी को कुछ पता नहीं है। मंगलवार को पुलिस ने कुछ वीडियो और फोटो साझा की। इसमें अमृतपाल को भागते देखा जा सकता है। अमृतपाल ने अपना पूरा हुलिया बदल रखा है। उसके विदेश भागने की भी आशंका है। यही वजह है कि पंजाब पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

भाजपा के खिलाफ चलेगा आंदोलन : सपा

» लोकसभा चुनाव 2024 में गलत नीतियों को करेगी उजागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले लोकसभा चुनाव में अपना दबदबा बनाने के लिए सपा पूरा जोर लगाएगी। इसी के तहत सपा योगी और मोदी सरकार के खिलाफ चैन से नही बैठेगी। सपा ने योजना बनाई है जबतक भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल नही कर देंगे तब तक आंदोलन जारी रखेंगे। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि गांव-गांव में जाकर सरकार की पोल खोली जाएगी।

समाजवादी पार्टी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव फतह करने के लिए भाजपा सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जन आंदोलन चलाएगी। जिला मुख्यालय से लेकर बूथ स्तर पर इसकी कार्ययोजना बनेगी। गांवों में चौपाल होगी। इसमें भाजपा की गलत नीतियों से लोगों को वाकिफ कराया जाएगा। यह फैसला पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। पार्टी लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखेगी। राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने बताया कि सपा ने राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाने की पहल कर दी है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व पर अन्य राज्यों के नेता भी एकजुट हो रहे हैं।

सपा अकेले भाजपा को नहीं हरा सकती : बर्क

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी सांसद ने शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि हर चींज मुमकिन है। जिसको आप नामुमकिन समझते हैं वो भी मुमकिन है। जहां तक 2024 की बात है तो वहां बीजेपी अकेले खड़ी है और इधर पूरा विपक्ष है। बीजेपी को अकेले सपा द्वारा हराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इतना तो मुश्किल है लेकिन समाजवादी और सब मिलकर काम करेंगे तो बीजेपी को हरा देंगे। अकेले तो सपा के पास इतनी ताकत नहीं है और भी कई पार्टियां है सब मिलकर एकजुट हो कर काम करेंगे तो निश्चित ही हरा देंगे। उन्होंने कहा कि ठीक है क्योंकि इधर पार्टी का गठबंधन बीएसपी से नहीं है इस वजह से दलितों को अपने तरफ जोड़ने के लिए रामजी सुमन को लगाया गया है कि वो आदमियों को इधर तोड़कर लाएं, अगर दलित इधर आते हैं तभी तो फायदा होगा। आम तौर पर दलित मायावती से जुड़ा हुआ है। सांसद बर्क ने कहा, इसमें बहुत मेहनत करने पड़ेगी, तब जाकर कुछ दलित हमारी पार्टी में आ सकते हैं, जिनको जिम्मेदारी दी गई है वो किस तरह से ये काम करेंगे, वो आगे वक्त बताएगा। अभी मैं इसमें नहीं कह सकता हूं, अभी मेरी पार्टी से कोई बात नहीं हुई है मैं इनकी कमेटी में शामिल भी नहीं हूं, वो किस तरह पार्टी को आगे ले जाना चाहते हैं ये उनसे बातचीत करने के बाद पता चलेगा। सबको साथ लेकर चलने पर ही पार्टी अच्छा कर पाएगी।

बसपा से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ें : मायावती

» लोस चुनाव की तैयारी में जुटी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अब युवाओं को अपनी ओर जोड़ने का अभियान शुरू करेगी। लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा गांव चलो अभियान के जरिए युवाओं का रिपोर्ट कार्ड तैयार कराएगी। इस दौरान बेहतर काम करने वाले युवाओं को पार्टी में अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी सुप्रीमो मायावती जल्द ही अभियान की समीक्षा करेंगी।

मायावती के निर्देशों के मुताबिक अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर पांच पदाधिकारी बनाकर युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इस बार ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़कर पार्टी नए सिरे से संगठन खड़ा करना चाहती है। पार्टी निकाय चुनाव से पहले अभियान को तेज करना चाहती है। इसके लिए प्रत्येक सेक्टर पर दस बूथ कमेटियां बनाकर हर बूथ पर पांच पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी जा रही है। यह कमेटियां सभी वर्गों में बैठकें कर उनका प्रतिनिधित्व तय कर रही है। जिस गांव में जिस वर्ग की अधिकता है, उसे जोड़ने के साथ कम संख्या वाले वर्गों में भी पैठ बढ़ायी जा रही है। स्थानीय स्तर पर सभी कोऑर्डिनेटर अभियान की समीक्षा करेंगे।

प्रवासी मजदूरों से काम करवा रही बीआरओ : सोरेन सरकार

» नियमों का उल्लंघन करने का आरोप, लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की सोरेन सरकार ने आरोप लगाया है कि बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) प्रदेश के मजदूरों को लेकर तय किए गए नियमों का उल्लंघन कर रहा है। बता दें कि सीमाई क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के लिए बीआरओ ने झारखंड सरकार के साथ समझौता किया है।

इस समझौते के तहत झारखंड के मजदूर सड़क निर्माण के कामों के लिए भेजे जाते हैं। अब राज्य सरकार ने बीआरओ पर प्रवासी मजदूरों के रोजगार नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इसे लेकर राज्य सरकार ने बीआरओ के डायरेक्टर जनरल को पत्र भी लिखा है। झारखंड की विधानसभा में भी यह मामला उठा। जिसके बाद राज्य सरकार ने बीआरओ के डायरेक्टर जनरल को कड़े शब्दों में एक पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि सालाना समझौते के तहत झारखंड के कैजुअल पेड लेबर्स (सीपीएल) से संबंधित नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। दरअसल मजदूरों ने शिकायत की है उनसे काफी कठिन हालात में भी काम कराया जाता है।

सपा कर सकती है भाजपा को सफा

2024 लोस चुनाव : यूपी में बढ़ सकती है सीटें

- 80 सीटों पर लड़ेगी चुनाव
- बड़ी भूमिका में आ सकते हैं अखिलेश
- कांग्रेस-भाजपा से अलग तीसरे मोर्चा बनाने पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 पर सबकी नजर है। सभी पार्टियां अपने-अपने किलों को मजबूत करने में लग गई हैं। सबसे बड़े प्रदेश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी भी किसी से पीछे नहीं है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने राज्य की 80 लोकसभा सीटों पर कब्जे की तैयारी शुरू कर दी है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा सुप्रीमो सिर्फ यूपी में ही नहीं दूसरे राज्यों में अपनी पार्टी को सीटें दिलवाना चाहते हैं। वह राष्ट्रीय राजनीति में भी बड़ी भूमिका में आने को आतुर है। इसी के मद्देनजर वह कांग्रेस व भाजपा से अलग विचार वाले दलों के साथ जुड़कर तीसरे मोर्चे का गठन चाहते हैं ताकि अगले चुनावों में परिणाम आने के बाद अगर सत्ता के करीब पहुंचने का मौका मिला तो अपनी भूमिका महत्वपूर्ण करवा सकें।

हांलाकि जिस तरह से अखिलेश मेहनत कर रहे हैं उससे तो उम्मीद लग रही है कि आगामी चुनाव में उन्हें 2019 की अपेक्षा कई ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। यूपी भाजपा को अगर कोई पटखनी दे सकता है तो वह है सपा। उधर 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा का सुपड़ा साफ करने व सपा को भारी जीत के संकल्प के साथ सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। दो दिन तक पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में चले अधिवेशन में सपा ने मोदी सरकार को घेरने की रणनीति पर भी चर्चा की साथ अध्यक्ष अखिलेश यदव ने कहा कि क्षेत्रीय दलों को एकजुट होकर तानाशाह सरकार के खिलाफ खड़ा होना होगा। सपा मुखिया ने कहा कि जिन बूथों पर अभी तक पार्टी को कम वोट मिलते रहे हैं, वहां पैठ बढ़ाई जाएगी। इसके लिए त्रिस्तरीय रणनीति होगी। हर माह कोई न कोई कार्यक्रम किया जाएगा। पार्टी भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं आमजन के उत्पीड़न को मुद्दा बनाते हुए निरंतर जनता के बीच में रहेगी। पार्टी के सभी विधायक और पदाधिकारी वोटबैंक को बढ़ाने के लिए क्षेत्रवार अभियान चलाएंगे। उधर बैठक के बाद शिवपाल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी 50 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। इसके लिए पार्टी राज्य में जनता से जुड़े मुद्दों को जोरशोर से उठाकर सरकार को चैन से नहीं बैठने देगी।

1992 में गठित हुई सपा

अनुभवी नेता और पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा लखनऊ में अक्टूबर 1992 में गठित सपा मूल संगठन जनता दल से अलग होने वाले कई राजनीतिक दलों में से एक थी। समाजवादी पार्टी के प्रगतिशील विचारक, लेखक और महान सांसद राम मनोहर लोहिया के पदचिन्हों पर अग्रसर है, जिन्हें सपा के कार्यकलापों के लिए मार्गदर्शक माना जाता है।मूल स्तर की राजनीति में शामिल होने के लिए लोहिया का लोकतांत्रिक दृष्टिकोण और लोकप्रियता, अहिंसक प्रदर्शनों और सत्याग्रह के उनके गांधीवादी सिद्धांतऔर देश में पूंजीवादी और सामंती प्रवृत्तियों के सभी रूपों को समाप्त करने में उनकी धारणा ने समाज के सबसे गरीब और सबसे दु:खी वर्गों, निचली जातियों और अन्य अल्पसंख्यकों तक पहुँच बनाने में मुलायम और समाजवादी पार्टी के अन्य सदस्यों को बहुत प्रेरित किया है।लोहिया की करो या मरो भावना पार्टी के लिए एक महान प्रेरणा है, जो देश के सामाजिक रूप से उपेक्षित लोगों के बीच आशा और आत्मविश्वास पैदा करती है। 16वीं लोकसभा में, समाजवादी पार्टी के वर्तमान में 5 सदस्य हैं। राज्यसभा में इस पार्टी के18 सदस्य हैं। राष्ट्रीय स्तर परपार्टी, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का सदस्य न होने के बावजूद गठबंधन को बाहरी समर्थन प्रदान करती है। क्षेत्रीय स्तर परवर्ष 2012 के यूपी विधानसभा चुनावों में स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए और बसपा सरकार को हराते हुए सपा ने उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई। मुलायम सिंह यादव के पुत्र अखिलेश यादव राज्य के मुख्यमंत्री थे। उसके बाद पार्टी ने अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2017 में चुनाव लड़ा। आपसी विवादों और पारिवारिक फूट के कारण 2017 में पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा और पूर्ण बहुमत में सरकार बनाने वाली पार्टी सिर्फ 47 सीटों पर सिमट गई।

जातीय जनगणना को बनाएंगे मुद्दा

सपा आगामी दिनों में भी जातीय जनगणना को मुद्दा बनाएगी। पूरी पार्टी इस पर एक मत में दिखी। नेताओं का मानना था कि इसे मुद्दा बनाया जाए और लोगों तक लेकर जाया जाए। पार्टी के नेताओं ने शनिवार को कहा कि पार्टी के संगठन को और मजबूत किया जाए। संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी उतनी मजबूत होगी। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए कई अहम कदम उठाए जाएंगे।

सपा का आधार

समाजवादी पार्टी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में सक्रिय है। वर्तमान समय में इसके समर्थन में बड़े पैमाने पर श्री राधे कृष्णा के पुजारी व कट्टर मेहनती व जुझारु पिछड़ी जातियाँ हैं। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा और देश के अन्य राज्यो के विधानसभा चुनाव लड़ चुका है। हालांकि इसकी सफलता मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में ही है। 2003 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को 7 सीटें प्राप्त हुई। यह राज्य में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। 16वीं लोकसभा में, 5 सदस्य है। 2005 में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बंगारप्पा समाजवादी पार्टी में शामिल होने के लिए भाजपा से इस्तीफा दे दिया। वह सफलतापूर्वक समाजवादी के टिकट पर अपने लोकसभा सीट, शिमोगा, से विजयी हुए। 2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में सपा को केवल 96 सीटें मिली, जबकि 2002 में 146 सीटें जीती थी। परिणामस्वरूप, मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव अपने प्रतिद्वंद्वी मायावती, बसपा (जो 207 सीटों के बहुमत जीता) नेता, मुख्यमंत्री के रूप में में शपथ ग्रहण के साथ ही इस्तीफा देना पड़ा। 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में सपा को 224 सीटें मिली इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश जी को पूरा उत्तर प्रदेश के लोग इनको प्यार से भईया जी कहते हैं!

यूपी में बीजेपी को होगा नुकसान

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनाने के संकल्प को दोहराया। इस बीच प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल सहित विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों ने अपनी कार्य योजना प्रस्तुत की। इसमें बताया गया कि भाजपा को केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने का माद्दा उत्तर प्रदेश रखता है। यदि उत्तर प्रदेश में सपा ने भाजपा को मात दी तो इसका सीधा असर केंद्र पर पड़ेगा। अन्य क्षेत्रीय दल भी सपा की ओर देख रहे हैं। ऐसे में पार्टी की जिम्मेदारी ज्यादा है। कोलकाता से लौटते ही सभी पदाधिकारी 2024 चुनाव जीतने के लिए तत्पर हो जाएंगे।

दिग्गज नेताओं का रहा जुड़ाव

समाजवादी पार्टी राममनोहर लोहिया और चौधरी चरण सिंह के आदर्शो में चलने में विश्वास रखती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेता मुलायम सिंह भारत सरकार में रक्षा मंत्री रह चुके हैं और राष्ट्रीय राजनीति के सबसे बड़े समाजवादी नेता रहे जिनका सम्मान सभी अन्य पार्टी के नेता भी करते हैं। समाजवादी पार्टी संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में एक राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और भाजपा के बीच एक समान दूरी बनाए रखने की कोशिश करता है। तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने के लिए समाजवादी पार्टी की कोशिश जारी है। आम चुनाव, 2009 में समाजवादी पार्टी 23 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी थी। जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 206 सीटें और भारतीय जनता पार्टी 116 सीटें जीती। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव विधान मंडल दल के नेता चुने गये तथा उन्हांने 15 मार्च 2012 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। वर्तमान में समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश में 111, एवं महाराष्ट्र , मध्यप्रदेश व गुजरात में क्रमश: 2-1-1विधायक हैं।

अन्य राज्यों में है दबदबा

समाजवादी पार्टी (सपा), जो लगभग सामाजिक पार्टी के रूप में समझी जाती है, भारत की एक क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी है। इसका जन आधार मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश राज्य में है, हालांकि कर्नाटक, बिहार, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी इसकी उपस्थिति है। इसकी राजनीतिक स्थिति केन्द्रीय है और यह लोकतांत्रिक समाजवाद, लोकप्रियता और सामाजिक राजनीतिक विचारधाराओं पर चलती है। उत्तर प्रदेश में मुख्यधारा के हासिए पर रहने वाले समाज के सामाजिक रूप से उत्पीडित वर्गों के लिए सपा अपनी पूर्ण निष्ठा और राजनीतिक संघर्ष का दावा करती है। दूसरे शब्दों में, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी होने का दावा करते हुए समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मुसलमानों के उत्थान एवं आर्थिक प्रगति की बात करती है। पार्टी धर्मनिरपेक्षता के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर भी काम करती हैऔर सभी सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ संघर्ष करती है।

वाम और कांग्रेस खुद तय करें

अखिलेश ने कहा, कांग्रेस और वाम मोर्चो दोनों ही बड़ी पार्टियां हैं। आने वाले समय में उनको खुद ही अपनी भूमिका तय करनी होगी। तीसरे मोर्चे में कौन होगा, इस पर बात हो चुकी है। कांग्रेस और वाम के इतर समान विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका अहम होने वाली है। सपा प्रमुख ने कहा कि इसबार अमेठी व रायबरेली में भी उम्मीदवार खड़ा कर सकते हैं।

केंद्र की सरकारी नीतियों का समय-समय पर किया विरोध

समाजवादी पार्टी ने कुछ ऐसे निर्णय भी लिए जिसके लिए उसकी आलोचना होती है पर पार्टी अपने सिद्धांतों से कभी हटी नहीं। समाजवादी पार्टी 20वीं शताब्दी के आखिरी दशकों में महाराष्ट्र राज्य में शिवसेना द्वारा लक्षित भारतीयों के पक्ष में खड़ी होने वाली एकमात्र पार्टी थी। शिवसेना, जो क्षेत्रीय विशिष्टता की विचारधाराओं के आक्रामक समर्थन में विश्वास करती है, को समाजवादी पार्टी द्वारा सीधे चुनौती दी गई थी। पार्टी ने महाराष्ट्र के उत्तर भारतीय प्रवासियों के अधिकारों और विशेषाधिकारों का बचाव किया। समाजवादी पार्टी बाबरी मस्जिद विध्वंस का विरोध करने वालों के मजबूत समर्थकों में से एक है, क्योंकि यह सभी सांप्रदायिक ताकतों से लड़ने और देश में शांति और सद्भाव लाने में विश्वास रखती है। भाजपा निर्देशित बाबरी मस्जिद के विध्वंस की सपा ने गंभीर आलोचना की है। पार्टी हर साल देश के इतिहास में उस दिन को ब्लैक डे के रूप में मनाती है। सपा ने कांग्रेस द्वारा प्रेरित मूल्य वृद्धि, खुदरा क्षेत्र में एफडीआई और राज्य में कांग्रेस मंत्रियों के बीच प्रचलित भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार विरोध किया है। किसानों और राज्य की अन्य निचली जातियों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र द्वारा बुंदेलखंड को 7,266 करोड़ रुपये के फंड आवंटन के खिलाफ मुलायम ने यह कहते हुए विरोध किया, कि पैकेज इस क्षेत्र के उचित विकास के लिए अपर्याप्त था।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एकबार फिर दिखा लड़कियों का दबदबा

> ये 5वीं बार है जब बिहार ने देश में सबसे पहले रिजल्ट जारी किया है। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर बोर्ड की मुख्य बिल्डिंग में इसकी घोषणा की। बिहार बोर्ड के इंटर की परीक्षा में इस बार 13 लाख 18 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इसमें 6 लाख 81 हजार 975 छात्राएं और 6 लाख 36 हजार छात्र थे। 1 फरवरी से 11 फरवरी तक ये परीक्षा ली गई थी।

पिछले कुछ सालों से स्कूली परीक्षा हो या प्रतियोगी परीक्षा भारत की बालिकाएं अपना दबदबा बढ़ा रही हैं। किसी भी परीक्षा का रिजल्ट उठाकर देखिए बालकों की अपेक्षा टापरों की संख्या में बालिकाओं की संख्या ज्यादा देखने को मिल रही है। यूपीबोर्ड, सीबीएसई, आईएससी हो या आईसीएससी या किसी अन्य राज्य के बोर्डों की परीक्षाओं के रिजल्ट सबमें लड़कियां अपनी प्रतिभा को लोहा मनवा रही है। अभी बिहार बोर्ड इंटर का रिजल्ट मंगलवार को जारी कर दिया गया है। कुल 83.70 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए हैं। यह पिछली बार से 3.55 प्रतिशत ज्यादा है। तीनों स्ट्रीम में लड़कियां टॉपर रही हैं। आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स संकाय मिलाकर कुल 13 साल 4 हजार 586 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। इनमें 10 लाख 91 हजार 941 स्टूडेंट पास हुए हैं। पिछली बार से रिजल्ट 3.55 प्रतिशत ज्यादा है। सबसे अधिक पास होने वालों में 47 प्रतिशत फर्स्ट डिवीजन वाले हैं। फर्स्ट डिवीजन- 5 लाख 13 हजार 222, सेकंड डिवीजन- 4 लाख 87 हजार 223 और थर्ड डिवीजन- 91 हजार 503 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। साइंस से खगड़िया की आयुषी नंदन, आर्ट्स में पूर्णिया की मोहनिशा और कॉमर्स में औरंगाबाद की सौम्या शर्मा ने टॉप किया है। आयुषी को 94.8 प्रतिशत (474 मार्क्स) अंक, मोहनिशा और सौम्या को 95 प्रतिशत (475 मार्क्स) मिले हैं।

उधर राज्य सरकार ने इस सफल छात्रों को पुरस्कृत करने की भी घोषणा की थी। साइंस, आर्ट्स, कॉमर्स में फर्स्ट टॉपर आने वाले को एक लाख रुपए, एक लैपटॉप और एक किंडल ई-बुक रीडर दिया जाएगा। सेकेंड को 75 हजार रुपए, एक लैपटॉप और ईबुक रीडर। थर्ड को 50 हजार रुपए, एक लैपटॉप और किंडल ई-बुक रीडर दिया जाएगा। तीनों संकाय में चौथे से छठे रैंक पर रहने वाले को 15 हजार और एक लैपटॉप मिलेगा। शुभम ने बिहार के इंटरमीडिएट साइंस में 472 अंक हासिल किए हैं। शुभम ने बिहार के इंटरमीडिएट साइंस में 472 अंक हासिल किए हैं। सबसे बड़ी बात गरीब व निम्न मध्यम वर्ग परिवारों से जुड़े बच्चे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार इंटरमीडिएट साइंस का सेकंड टॉपर शुभम ऑटो ड्राइवर का बेटा है। शुभम की मां हाउस वाइफ हैं। शुभम ने साइंस में 472 अंक हासिल किए हैं। मैट्रिक में शुभम ने 95.4 प्रतिशत अंक हासिल कर 8वीं रैंक हासिल की थी। शुभम ने बताया कि वह टाइम फिक्स कर पढ़ाई नहीं करता है। जब उसे मन करता है, तो वो पढ़ने बैठता है। वो सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहता है। जब पढ़ाई से उसका मन ऊब जाता है, तब ही वह सोशल मीडिया पर आता है। इसके साथ-साथ उसने बताया कि हार्ड वर्क कीजिए आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सामाजिक समस्याओं में सुधार लाना होगा

साधना शंकर

इस साल जब महिला दिवस मनाया गया तो उसकी थीम थी- डिजिटऑल : इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर जेंडर इक्वेलिटी। यह एक महत्वपूर्ण पहल थी, क्योंकि यह डिजिटल लैंगिक विभाजन की ओर हमारा ध्यान खींचती है। डिजिटल डिवाइड या टेक्नोलॉजिकल गैप उसे कहते हैं, जब दो समूहों को समान रूप से तकनीकी और इंटरनेट तक पहुंच प्राप्त न हो। पूरी दुनिया में पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की डिजिटल टेक्नोलॉजी तक पहुंच कम है। यानी दुनिया के दूसरे संसाधनों तक स्त्रियों की कम पहुंच वाली परिघटना अब डिजिटल-जगत में भी दोहराई जा रही है।

इंटरनेशनल टेलीकॉम यूनियन के नवीनतम डाटा के मुताबिक आज दुनिया में इंटरनेट का उपयोग करने वाली स्त्रियों की संख्या 57 प्रतिशत है, जो कि पुरुषों की तुलना में पांच प्रतिशत कम है। ग्लोबल इंटरनेट यूज जेंडर गैप सापेक्ष रूप से आठ प्रतिशत पर पहुंच गया है। पुरुषों की तुलना में स्त्रियों के पास मोबाइल फोन होने की सम्भावना सात प्रतिशत कम है। इसमें भी इंटरनेट वाला मोबाइल स्त्रियों के पास होने की सम्भावना पुरुषों की तुलना में 16 प्रतिशत कम है। अगर कुल आंकड़ों की बात करें तो पुरुषों की तुलना में 26.4 करोड़ कम महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का उपयोग कर पाती हैं। समय के साथ यह अंतराल बढ़ता चला जाता है और डिजिटल स्किल व डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल करने की क्षमता के अभाव के रूप में सामने आता है। इससे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और मैथ्स यानी स्टेम फील्ड्स में स्त्रियों की सहभागिता भी कम होती है। वे टेक-सेक्टर के नेतृत्व और उद्यमिता में पुरुषों के समान सहभागिता नहीं कर पाती हैं।

इस अंतराल को पाटना जरूरी क्यों है? क्योंकि अगर आधी आबादी नई प्रौद्योगिकी क्रांति से वंचित रहेगी तो दुनिया आगे नहीं बढ़ सकेगी। गरीबी खत्म करने के लिए महिलाओं की उन्नति महत्वपूर्ण है, और डिजिटल-क्रांति महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए नए अवसर मुहैया कराती है।

मोबाइल फोन, इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म और डिजिटल वित्तीय सेवाएं महिलाओं के सामने अवसरों का नया संसार खोलती हैं, जिससे वे न केवल अपना नॉलेज बढ़ा सकती हैं, बल्कि उनसे उन्हें आय कमाने का साधन भी मिलता है। आखिर महिलाएं पिछड़ी क्यों हैं? क्योंकि उनके प्रति एक सामाजिक-सांस्कृतिक दुराग्रह के चलते उन्हें शिक्षा, अपस्किलिंग, डाटा सेवाओं, प्रौद्योगिकी आदि का लाभ उठाने के पुरुषों जितने अवसर नहीं प्रदान किए गए हैं। भारत में तो यह विभाजन बहुत स्पष्ट है। एनएफएचएस 2019-21 के डाटा के मुताबिक भारत की केवल 33.3 प्रतिशत महिलाएं ही जीवन में कभी इंटरनेट का इस्तेमाल कर चुकी हैं। इसकी तुलना में 57.1 प्रतिशत पुरुषों को यह अवसर मिल चुका है। यह लैंगिक-विभाजन हर राज्य में देखा गया है। ग्रामीण भारत में यह अंतराल लगभग दोगुना है, जहां 49 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 25 प्रतिशत महिलाएं ही इंटरनेट का इस्तेमाल कर चुकी होती हैं। कोविड-19 के दौरान महिलाओं के द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग बढ़ा था। आज सरकार अनेक ऐसे फ्लैगशिप कार्यक्रम चला रही है, जो इस दिशा में महिलाओं की मदद कर रहे हैं, जैसे कि राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन और प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान।

> पुरुषों की तुलना में स्त्रियों के पास मोबाइल फोन होने की सम्भावना सात प्रतिशत कम है। इसमें भी इंटरनेट वाला मोबाइल स्त्रियों के पास होने की सम्भावना पुरुषों की तुलना में 16 प्रतिशत कम है। अगर कुल आंकड़ों की बात करें तो पुरुषों की तुलना में 26.4 करोड़ कम महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का उपयोग कर पाती हैं।

डिजिटल लैंगिक-विभेद का एक अन्य पहलू महिलाओं के साथ किया जाने वाला ऑनलाइन दुर्व्यवहार है। साइबर-स्टाकिंग और अन्य प्रकार के साइबर-यौन दुर्व्यवहार के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। यानी वास्तविक जगत में महिलाओं को जैसे एब्यूज का सामना करना पड़ता है, वही कहानी अब डिजिटल दुनिया में भी दोहराई जा रही है।

इसी के चलते अनेक महिलाएं ऑनलाइन दुनिया से खुद को दूर कर लेती हैं। हम सभी को अपने-अपने क्षेत्र में स्त्रियों के डिजिटल-समावेश हेतु प्रयास करने चाहिए। डिजिटल इकोनॉमी में महिलाओं की सहभागिता के हमें बेहतर परिणाम मिलेंगे। केवल पुरुषों की टीम के बजाय स्त्री-पुरुषों की मिली-जुली टीम के द्वारा किए गए इनोवेशंस का ज्यादा असर पड़ता है।

मिलेट्स की प्राकृतिक पौष्टिकता से न हो छेड़छाड़

देविंदर शर्मा

अब्राहम मार्सलो, जिन्हें 20वीं सदी का सबसे प्रभावशाली मनोवैज्ञानिक माना जाता है, उन्होंने अनुक्रम का सिद्धांत यह समझाने के लिए विकसित किया कि मानव-प्रेरणा किस तरह चलती है। यह सिद्धांत एकदम सरल व्याख्या पर आधारित था: 'अगर आपके पास औजार के रूप में केवल एक हथौड़ा है तो यह हरेक चीज को बतौर एक कील लेने को उद्धत करेगा'। यानी यदि एक शख्स किसी खास औजार-ढंग-तकनीक से ही वाकिफ है तो वह मानता है कि सब समस्याओं को हल करने का यही एकमात्र रास्ता है, फिर वह विषय चाहे कितना भी अलग या बड़ा क्यों न हो। मानव की सोच में यह एकतरफा जन्मजात झुकाव शायद वही है जो विश्वभर के कृषि वैज्ञानिकों को चला रहा है, तभी तो उनके अनुसंधान के ध्यान का केंद्र कम उत्पादन देने वाले मोटे अनाज की जगह अधिक पैदावार वाली नस्लें विकसित करने की ओर हुआ पड़ा है। संस्थान चाहे इंटरनेशनल क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-ऐरिड ट्रॉपिक्स (आईसीआरआईएसएटी) हो या फिर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च हो, अनुसंधानकर्ता भले ही किसी विश्वविद्यालय के हों या फिर संस्थान के हों।

क्रमिक विकास से अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की विविध किस्में विकसित करने वाला तंत्र पैदावार बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है और इससे वैश्विक भूख की समस्या का निदान हो सकता है। पौधा-प्रजनक नॉर्मन बोर्लोग को मिला नोबेल पुरस्कार इसी विचार की तसदीक करता है। बोर्लोग को हरित क्रांति का पितामह भी कहा जाता है। इन्होंने गेहूं की चमत्कारी बौनी नस्ल का बीज तैयार किया था। इसके बाद चावल की उच्च-पैदावार किस्में और अन्य फसलें भी विकसित हुईं। लेकिन जब हम पूरी दुनिया के लोगों की कुल जरूरत का दोगुणा अन्न पैदा कर रहे हैं, तो मुझे पौध-वैज्ञानिकों द्वारा मोटे अन्न की उच्च पैदावार फसलें विकसित करने एवं इसकी बायो-फोर्टिफिकेशन को लेकर जो उत्साह दर्शाया जा रहा है, इसका औचित्य समझ नहीं आ रहा।

मेरे विचार से, यह तरीका अधिक कारगर नहीं है क्योंकि ग्लूटन-मुक्त मोटे अनाज की फसल न केवल सूखा झेल सकती है बल्कि यह प्रोटीन, माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स, डाइटरी फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से युक्त है। जब यह पहले से पौष्टिक रूप से इतना समृद्ध है तो प्रयास खुराक में मोटा अनाज शामिल किए जाने का हो। पुराने तौर-तरीके पर चलते रहने - जिस पर औद्योगीकीकृत कृषि टिकी है यानि फसल की उत्पादकता इतनी बढ़ाएं कि फालतू हो जाए - इसकी बजाय नीति निर्माता मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने को और अधिक कल्पनाशीलता बरतें। असल में ज्यादातर लोग नहीं जानते कि उच्च-पैदावार या संस्करित किस्में विकसित करने का सीधा संबंध गिरती पौष्टिकता से है। जितना ज्यादा किसी फसल का झाड़ होगा उतना ही ह्रास पौष्टिक तत्वों का होगा। यह वह शाश्वत किंतु विद्रूप सिद्धांत है, जो हमें पढ़ाई में सिखाया गया था, लेकिन पता नहीं क्यों ज्यादा उत्पादन की दौड़ में इसे भुला दिया गया। पौष्टिकता में ह्रास औसतन 15-40 फीसदी तक हो सकता है, किसी-किसी मामले तो बहुत ज्यादा भी, जैसा कि गेहूं में कोबाल्ट जैसे कुछ महत्वपूर्ण खनिज में 80 प्रतिशत गिरावट पाई गई है।

गेहूं में कोबाल्ट जैसे खनिज में बहुत ज्यादा कमी का संबंध मनुष्यों में कॉलेस्ट्रॉल बढ़ने से है, नतीजतन हृदय रोग बढ़ रहे हैं। कैन्सास यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन बताता है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद आयी फसलों में 6 पौष्टिक तत्वों की कमी देखने को मिली, मसलन, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, फासफोरस, राइबोफ्लैविन और एस्कॉर्बिक एसिड। मतलब यह कि जो भोजन हम खा रहे हैं वह धीरे-धीरे खोखला होता जा रहा। आप पेट तो भर लेंगे लेकिन इससे शरीर के वे निर्माण तत्व नदारद हैं जो शक्ति और स्वास्थ्य बढ़ाते हैं। अगर उनमें वह आवश्यक पौष्टिकता ही न हो, जिसका हम दंभ भर रहे हैं तो मोटे अनाज की उच्च-पैदावार वाली ऐसी फसलों की किस्में तैयार करने के पीछे औचित्य क्या है। कायदे से, गेहूं-चावल के बरक्स मोटे अनाज में पौष्टिक तत्व 30-300 फीसदी अधिक होने चाहिए। लिहाजा उच्च-पैदावार वाले मोटे अनाज का प्रजनन धीरे-धीरे उस फायदे को खोता चला जाएगा, जिसके लिए वे जाने जाते हैं।

बाजरे की उच्च-झाड़ वाली और बीमारी रोधक संस्करित किस्में पहले ही विकसित हो चुकी हैं। अन्य अनाजों की भी लगभग 35 संस्करित किस्में बनाई जा चुकी हैं। लेकिन देखना रोचक होगा कि क्या उनमें मौजूदा उगायी जाने वाली किस्मों जितनी या अधिक पौष्टिकता हैं। बाजरे का मामला लें तो, अब इसकी बायो-फोर्टिफाइड संस्करित नस्ल, जिसमें बढ़ी पैदावार के अलावा जिंक और आयरन प्रचुर हो, बनाई जा रही है। यह प्राप्ति पौधे में मौजूद आयरन और जिंक को उत्प्रेरित करके ली जाएगी। आमतौर पर बाजरे में आयरन प्रति किलोग्राम 30-140 मिग्रा. तो जिंक 20-90 मिग्रा. होता है। लेकिन जैसा कि आईसीआरआईएसएटी का अध्ययन दर्शाता है, व्यावसायिक संस्करित किस्मों में यह मात्रा कहीं कम है, एक किलो बाजरे में आयरन 42 मिग्रा. और जिंक 31 मिग्रा. तक ही है। यदि संस्करित नस्लों में उच्च पैदावार और पौष्टिकता के बीच संबंध को लेकर और अध्ययन हो, तब पौष्टिकता में ह्रास की तस्वीर और साफ हो पाएगी। 'द तमिलनाडु वीमेन क्लैक्टिव' संगठन की नेत्री शीलू फ्रांसिस ने कहा, 'वाकई चिंताजनक है कि तमाम कृषि विश्वविद्यालयों में हो रहे अनुसंधान की दिशा मोटे अनाज की ओर है।

गंदी-कमजोर नसों को साफ करता है अनार

नसों को साफ करने का तरीका?

नसों के लिए अनार को काफी हेल्दी फूड होता है। इसके रसीले दाने खाने से ना सिर्फ नसों की सफाई होती है, बल्कि उनकी मजबूती पहले की तरह वापिस आने लगती हैं। अनार नसों और शरीर में फैट जमा होने से रोकता है, इसके अलावा अनार का सेवन करने से शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड का निर्माण बढ़ता है। यह नाइट्रिक ऑक्साइड नसों को खुला रखता है और उनमें रक्त के प्रवाह को सुचारू बनाता है। चुकंदर के सेवन से शरीर में खून की मात्रा बढ़ती है और रक्त का प्रवाह में सुधार होता है।

हमारे पूरे शरीर में नसों का जाल फैला हुआ है, जो खून को दिल से लेकर अंग-अंग तक पहुंचाती हैं। लेकिन हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी दिक्कतें आर्टरीज में गंदगी भरकर कमजोर कर देती हैं। इस स्थिति में दिल पर काफी दबाव पड़ने लगता है और हार्ट डिजीज बन जाती हैं। सफेद ब्रेड और पास्ता की जगह साबुत अनाज खाएं। ताजे व मौसमी फल-सब्जियां खाएं। डाइटरी कोलेस्ट्रॉल को लिमिट करें, फुल फैट दूध, चीज आदि का सेवन कम करें। नट्स, ऑलिव ऑयल, एवोकाडो से हेल्दी फैट लें। प्रोसेस्ड फूड में मिलने वाले ट्रांस व सैचुरेटेड फैट से दूर रहें। नमक का सेवन कम करें। शराब का सेवन कम करें। स्मोकिंग ना करें। न्यूट्रिशनिस्ट ने कहा कि दिल को पूरी तरह हेल्दी बनाने के लिए पूरी लाइफस्टाइल को सही करना जरूरी है। इसलिए हार्ट हेल्दी डाइट में अनार के अलावा, सफेद चाय, ग्रीन टी, ब्लूबेरी, ब्लैकबेरी, रैस्पबैरी आदि मिलाकर एक संतुलित आहार लें।

ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार

एंटीऑक्सीडेंट मिलने के अलावा अनार का सेवन करने पर हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल कम होने लगता है। जिसका फायदा दिल को मिलता है और हार्ट डिजीज का खतरा कम हो जाता है। अनार में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है और ये फल फ्लेवोनोइड्स, एंथोसायनिन, प्यूनिकिक एसिड, एलागिटैनिन्स, एल्कलॉइड्स, फरुक्टोज, सुक्रोज, ग्लूकोज, सरल कार्बनिक अम्ल और अन्य घटकों से भरपूर होता है और इसमें एंटीथेरोजेनिक, एंटीहाइपरटेन्सिव और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और इतने सारे गुणों के कारण ही ये एक शक्तिशाली दवा की तरह काम करता है। अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

3 महीने तक रोज खाएं अनार

न्यूट्रिशनिस्ट अंजलि मुखर्जी ने बताया कि अनार के अंदर शक्तिशाली एंटी एथरोजेनिक एजेंट होता है, जो कि नसों में गंदगी होने से रोकता है। इसके पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट नसों को साफ करने का काम करते हैं। इन सभी फायदों के लिए कम से कम 3 महीने तक हर दिन 3 अनार का सेवन करना चाहिए।

हेल्दी हार्ट के लिए डाइट भी जरूरी

अनार खाने के अलावा हार्ट के लिए हेल्दी डाइट भी लेनी चाहिए। इसकी मदद से कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज का खतरा कम किया जा सकता है। वहीं, अपने वजन को भी कंट्रोल में रखना ना भूलें। अनार में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व और औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जिससे यह शरीर को पर्याप्त पोषण प्रदान करने और स्वस्थ रखने में मदद करता है। अनार शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, विटामिन बी, सी, के और पोटेशियम का आदि का एक अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और सूजन को कम करते हैं। अनार में रेड वाइन और ग्रीन टी की तुलना में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक बेहतरीन एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में भी काम करता है।

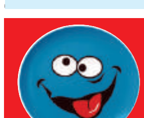

हंसना मना है

पति - आज सब्जी बिल्कुल भी ठीक नहीं बनी है...!! पत्नी - चुपचाप खा लो... इसी सब्जी को फेसबुक पर 600 लोगों ने लाइक किया है और 500 लोगों ने कमेंट में यम्मी भी लिखा है... और आपके नखरे ही अलग हैं...!!! पति बेहोश...

अफसर - एक दिन जब मैं अकेला जंगल में जा रहा था, तो मुझे दो डाकू मिले और मेरी घड़ी, रुपया और माल सब कुछ ले गए...! पप्पू - लेकिन आपके पास तो पिस्तौल भी था...? अफसर - हां था तो, लेकिन उसपर उनकी नजर नहीं पड़ी...!!!

एक लड़की का पढ़ाई में बिल्कुल मन नहीं लगता था! वो पास होने के लिए प्रोफेसर के पास गई... लड़की - सर, मैं पास होने के लिए कुछ भी कर सकती हूं...! प्रोफेसर - कुछ भी...? लड़की - जी हां, कुछ भी..! प्रोफेसर - तो पढ़ लो बेटी...!!!

एक बार विज्ञान के शिक्षक ने पप्पू से पूछा - पप्पू बताओ चांद पर पहला कदम किसने रखा था..? पप्पू - नील आर्मस्ट्रांग शिक्षक - शाबाश... और दूसरा...? पप्पू - दूसरा भी उसी ने रखा होगा सर, वो लंगड़ा थोड़ी न था...!!!

कहानी | सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था। स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, मैं आपसे शादी करना चाहती हूं। महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है? स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं। महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज मानसिक कठिनाइयां परेशान कर सकती हैं। नए संबंधों से फायदा हो सकता है। थकान व आलस्य का अनुभव करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी, जो आप अपने ऐशो आराम करेंगे, इसलिए थोड़ा ध्यान रखें।

मिथुन

आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा, लेकिन बोलने से ज्यादा आपको अपने काम पर ध्यान देना चाहिए।

कर्क

आज का दिन सावधानी से गुजार दीजिए, तो बेहतर रहेगा। अपनी योजनाएं गुप्त रखें। आपकी कार्य क्षमता बेहतर रहेगी। आपकी सामाजिक स्थिति में वृद्धि होगी।

सिंह

आपके लिए आज का दिन खुशनुमा रहेगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी, जिससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और किसी नए काम में हाथ डालेंगे। व्यापार में वृद्धि के योग बन रहे हैं।

कन्या

आज आपका दिन खुशियां लेकर आया है। अगर आप किसी बिजनेस मीटिंग के लिए जा रहे हैं, तो माँ ब्रहमचारिणी का आशीर्वाद लेकर जायें।

तुला

आज आपको कार्य क्षेत्र की प्रगति हेतू अलग-अलग क्षेत्रों में भाग्य आजमाने का मौका मिलेगा। कयासों के लिए समय ठीक नहीं है।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन मान थोड़ा कमजोर है। आप अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे, फिर भी नतीजे कुछ कम ही आएंगे। खर्चे बढ़ेंगे जो आपको चिंता देंगे।

धनु

आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर कोई आपसे अपनी बात शेयर करना चाहेगा। ऑफिस में आपका रुतबा बना रहेगा।

मकर

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आपके अच्छे व्यवहार से आपके निजी संबंधों में भी सुधार आएगा। खर्चों पर अंकुश लगाना जरूरी होगा।

कुम्भ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आपकी बुद्धि आपके कई तरह से काम आएगी और काम आसानी से बन जाएंगे। दांपत्य जीवन में खुशी भरे पल बिताने का मौका मिलेगा।

मीन

आज आप जीवनसाथी के साथ देवी मां के मंदिर जायेंगे। आप जो भी काम शुरु करेंगे, वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

क्रिएटिविटी के नाम पर गालियां बर्दाश्त नहीं करेंगे: अनुराग

लगातार ओटीटी कंटेंट के वल्गर होने की शिकायतों के बीच इनफार्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्टर ने बड़ा बयान दिया है। मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि ओटीटी कंटेंट पर वल्गर और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार ओटीटी कंटेंट पर आ रही शिकायतों का हल निकालने और कंटेंट को बेहतर बनाने की तरफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम ओटीटी कंटेंट पर क्रिएटिविटी के नाम पर वल्गर भाषा के इस्तेमाल को रोकने के लिए कोई भी कदम लेने से पीछे नहीं हटेंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा, हम ओटीटी कंटेंट पर आ रही शिकायतों से निपटने के लिए सीरियस प्लान बना रहे हैं। हम इस ट्रेंड को रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इन प्लेटफॉर्म को क्रिएटिविटी के लिए छूट दी गई थी, वल्गर कंटेंट बनाने के लिए नहीं। लगातार गालियां देते जाना तो क्रिएटिविटी नहीं है। क्रिएटिविटी के नाम पर इस बर्ताव को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा-अगर हमें इसे कंट्रोल करने के लिए नियमों में बदलाव भी करना पड़े, तो मंत्रालय इसके लिए तैयार है। इस ट्रेंड को खत्म करने के लिए हम कड़े से कड़े कदम उठा सकते हैं। ओटीटी प्लेटफार्म के कंटेंट को चेक करने के लिए थ्री स्टेज मैकेनिज्म है। बीते कुछ दिनों से ओटीटी कंटेंट को लेकर काफी शिकायतें मिल रही हैं। सैंसरशिप के मौजूदा सिस्टम को समझाते हुए ठाकुर बोले-अभी तक जो प्रोसेस है उसके हिसाब से सबसे पहले प्रोड्यूसर को शिकायतों का निपटारा करने के लिए जरूरी कदम उठाने हैं, जरूरी बदलाव करना है। इस स्टेप से ही करीब 90 से 92 प्रतिशत शिकायतों का हल मिल जाता है। इसके बाद भी कोई शिकायत आती है तो इसकी जिम्मेदारी एसोसिएशन लेगा।

भाईजान को किसी से डर नहीं, बोले- जब जो होना है होकर रहेगा...

सलमान खान को हाल ही में ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने उनके घर के बाहर सुरक्षा भी चाक-चौबंद कर दी है। यह पहली बार नहीं है जब सलमान को धमकी मिली है। इससे पहले भी एक्टर और उनके पिता सलीम खान को लेटर के जरिए ऐसी धमकियां मिल चुकी है। इन सबके बीच अब एक्टर ने इन सब बातों पर रिएक्ट किया है।

सलमान खान की जिंदगी पर लंबे समय से खतरों के बादल मंडरा रहे हैं। 2019 में भी उन्हें गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने जान से मारने की धमकी दी थी।

वहीं अब हाल ही में उनके मैनेजर को एक ई-मेल आया है, जिसमें गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से बात करने को कहा गया है। ई मेल में लिखा है कि अगर एक्टर ने बात नहीं की तो नुकसान भुगतने को तैयार रहें। मैनेजर ने तुरंत इसकी शिकायत पुलिस में कराई है, जिसके बाद सलमान के बांद्रा में स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सलमान के करीबी ने कहा कि एक्टर को इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्हें किसी का डर नहीं है। करीबी ने कहा कि सलमान धमकियों को नॉर्मल तरीके से ले रहे हैं, ज्यादा तज्जबों नहीं दे रहे हैं। वे ऐसा इसलिए भी कर रहे है ताकि उनके माता -पिता परेशान ना हों। उन्होंने कड़ी सुरक्षा पर भी ऐतराज जताया है। वहीं सलमान के पिता सलीम खान भी बेहद शांत हैं, लेकिन पूरे परिवार को पता है कि सलीम साब की नींद उड़ी हुई हैं।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

करीबी ने बताया कि एक्टर का कहना कि जितना सुरक्षा बढ़ेगी, उतना उन्हें अटेंशन मिलेगा और उनका प्लान सक्सेसफुल होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द ही किसी का भाई किसी का जान में नजर आएंगे। वहीं उनकी टाइगर 3 भी पाइप लाइन में हैं। फिल्में अपने तय टाइम पर ही रिलीज होंगी।

बॉलीवुड | मसाला

रैंपकर फैंस का दिल लूट ले गईं मलाइका

बॉलीवुड की सबसे फिट और खूबसूरत एक्ट्रेसेज में से एक, मलाइका अरोड़ा को किसी परिचय की जरूरत नहीं हैं। ये हसीना कई सालों से इंडस्ट्री में काम कर रही हैं और आज भी लोग उनके दीवाने हैं। वैसे तो आमतौर पर मलाइका को हर दिन योगा क्लास के बाहर, पैपराजी वीडियोज के जरिए स्पॉट किया जाता है, एक्ट्रेस को हाल ही में पूरे हेयर-मेकअप और खूबसूरत कपड़ों में स्पॉट किया गया जब उन्होंने एक फैशन शो में रैंप वॉक की। मलाइका की इस रैंप वॉक पर तो लोग फिदा ही थे, लेकिन उनकी कॉस्ट्यूम और खूबसूरती के भी लोग दोबारा कायल हो गए! आइए एक्ट्रेस के रैंप वॉक के वीडियो पर एक नजर डालते हैं। जैसा कि हमने आपको अभी बताया, मलाइका अरोड़ा को कुछ समय पहले, एक फैशन शो में रैंप वॉक करते देखा गया। दरअसल मौका फैशन डिजाइनर विक्रम फनिस के फैशन शो का था जिसमें छैंया छैंया स्टार मलाइका अरोड़ा शोस्टॉपर थीं। मलाइका रैंप पर डिजाइनर के साथ उतरीं और अपने लुक और अदाओं से लोगों को अपना कायल बना दिया।

लहराते बाल, बलखाती कमर, कुछ इस अंदाज में नजर आईं हसीना

आप यहां वीडियो में देख सकते हैं कि मलाइका अरोड़ा एक ब्लैक शिमरी फुल लेंथ ड्रेस में रैंप पर डिजाइनर के साथ उतरी हैं। इस ड्रेस में एक ब्लाउस और स्कर्ट है और साथ में फुल स्लीव्स हैं जो गले पर एक कॉलर की डिजाइन भी दे रही हैं। मलाइका के लहराते बाल और रैंप वॉक करते हुए नजर आ रही बलखाती कमर... फैंस का दिल लूट ले गईं। वीडियो पर कई लोगों ने एक्ट्रेस की काफी तरीफ भी की है। मलाइका हाल ही में अपने एक इंटरव्यू की वजह से चर्चा में थीं जहां एक्ट्रेस ने अपने और बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के शादी के प्लैन के बारे में बात की।

अजब-गजब | हिमाचल प्रदेश का यह मंदिर आज तक बना हुआ है रहस्य

इस मंदिर में सदियों से बिना तेल और बाती के जल रहीं हैं नौ ज्वालाएं

आज से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो गई। नवरात्रि में माता के स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है। भारत में माता के कई शक्ति धाम और मंदिर है। इनमें से कई तो रहस्यमी और चमत्कारिक हैं। यहां लोगों को कई चमत्कार देखने को मिलते हैं। शक्ति स्वरूपा माता का एक ऐसा ही चमत्कारिक मंदिर हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। यह पावन धाम ज्वाला देवी के नाम से मशहूर है। देवी दुर्गा के ज्वाला स्वरूप वाले इस पावन धाम में बिना तेल बाती के सदियों से लगातार 9 पावन ज्योति जल रही हैं। माता का यह पावन धाम हिमाचल प्रदेश से 30 किलमीटर की दूरी पर स्थित है। ज्वाला मंदिर को जोता वाली मां का मंदिर और नगरकोट भी कहा जाता है। माता का यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से है।

हैरानी की बात यह है कि मां ज्वालामुखी के इस मंदिर में माता की कोई मूर्ति स्थापित नहीं है बल्कि पृथ्वी के गर्भ से निकल रही माता के नौ ज्वालाओं की पूजा की जाती है। खास बात यह है कि इस मंदिर में बिना तेल और बाती के नौ

ज्वालाएं जल रही हैं जो माता के नौ स्वरूपों का प्रतीक है। यह ज्वालाएं सदियों से लगातार जलती आ रही हैं। कई भू वैज्ञानिकों और पुरातत्व विभाग ने इसका रहस्य पता लगाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। उनके द्वारा कई किलोमीटर तक की खुदाई करने के बाद भी इसका पता नहीं सके कि यह ज्वाला आखिर कहां से निकल रही है।

माता के इस मंदिर में पृथ्वी से निकल रहीं नौ ज्वालाओं की पूजा-अर्चना की जाती है। इन्हें माता के 9 स्वरूपों का प्रतीक माना जाता है। सबसे बड़ी ज्वाला को मां ज्वाला का स्वरूप माना जाता है। दूसरी तरफ आठ ज्वालाओं को मां अन्नापूर्णा, मां विध्यवासिनी, मां चंण्डी देवी, मां महालक्ष्मी, मां हिंगलाज, देवी मां सरस्वती, मां अम्बिका देवी और माता अंजी देवी का स्वरूप माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस स्थान पर माता सती की जीभ गिरी थी। जिससे माता सती यहां पर मां ज्वाला के रूप में विराजमान हैं और भगवान शिव यहां पर उन्मत भैरव के रूप में स्थित हैं।

वहीं एक कथा और प्रचलित है कि मुगल बादशाह अकबर ने जब मां ज्वालमुखी के इस मंदिर की ज्वाला के बारे में सुना तो वह अपनी सेना के साथ ज्वाला बुझाने के लिए पहुंचा। उसकी सेनाओं द्वारा ज्वाला बुझाने का भरसक प्रयास किया गया लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। कहा जाता है कि माता के इस चमत्कार को देख अकबर नतमस्तक हो गया था और माता के मंदिर में सोने का छत्र चढ़ाया था, लेकिन माता ने इसे स्वीकार नहीं किया और वह छत्र नीचे गिरकर धातु के रूप में तबदील हो गया।

रोज रात को किसान की गाय से मिलने आता है खतरनाक तेंदुआ

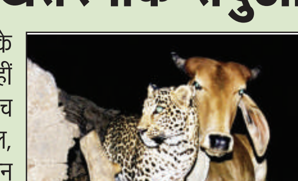

कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जिनके बारे में कोई सपने में भी नहीं सोच नहीं सकता। ऐसी ही एक घटना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, एक तेंदुए और एक गाय का रिश्ता इन दिनों चर्चा में है। एक तेंदुआ हर रात इंसानी इलाकों में आता है और बिना किसी को कोई नुकसान पहुंचाएं वापस चला जाता है। ऐसा कई महीनों से चल रहा है। जब लोगों को इस बात का पता चला तो उन्होंने उस तेंदुए पर निगरानी रखना शुरू कर दिया। इसके बाद जो सामने आया उसको देखकर सब चौंक गए। सोशल मीडिया पर यह घटना तेजी से वायरल हो रही है। यहां खूंखार शिकारी और शिकार की दोस्ती लोगों को हैरान कर रही है। मामला मुंबई का है, यहां एक तेंदुआ हर रोज एक किसान के खेत में आता था। इसके बाद किसान ने डर की वजह से वहाँ सीसीटीवी लगा दिया। सीसीटीवी फुटेज देखा तो सबके पैरों तले जमीन खिसक गई। किसान को हर रोज तेंदुए का अपने गांव की तरफ आना परेशान कर रहा था। किसान ने इसकी शिकायत पुलिस से भी कर दी। हालांकि पुलिस ने कुछ नहीं किया। इसके बाद किसान ने वहां सीसीटीवी लगवा दिया। इसके बाद कैमरे में जो तस्वीरें कैद हुई उसने लोगों को अचरज में डाल दिया। लोग समझ नहीं पा रहे थे कि एक खूंखार शिकारी अगर किसी को नुकसान नहीं पहुंचा रहा, शिकार भी नहीं कर रहा तो फिर वो आता क्यों है। असल में वो किसान की गाय से मिलने आता है। सीसीटीवी के जरिए पता चला कि तेंदुआ हर रोज खेतों में किसान की गाय से मिलने आता है। वो दोनों एक दूसरे पर प्यार जताते हैं खेलते हैं और फिर काफी देर तक एक दूसरे के साथ वक्त बिताते हैं। कैमरे की नजर से इस घटना को देख हर कोई हैरान रह गया। किसान के मुताबिक, 'तेंदुआ गाय पर अपनी नाक रगड़ता रहा और गाय तेंदुए को प्यार से देखती रही। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर एक खूंखार शिकारी अपने शिकार के साथ ऐसा प्यार और व्यहार कैसे कर सकता है। वजह अब तक किसी को नहीं पता लेकिन यकीनन तस्वीरें आपको भी सोचने पर मजबूर कर देंगी।

अहंकार की वजह से बजट पर की आपत्ति : केजरीवाल

» विधानसभा में बोले सीएम- ऊपर से नीचे तक बैठी है अनपढ़ों की जमात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार को बजट पर आपति करने का कोई अधिकार नहीं है। इन्होंने ऊपर से लेकर नीचे तक अनपढ़ों की जमात बैठा रखी है। सीएम ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि एलजी ने सोमवार की रात बजट पेश करने की अनुमति दे दी। उन्हें बजट से आपत्ति नहीं थी बल्कि वो चाहते थे कि आप हमारे सामने झुको और हम झुकें। केंद्र ने आज तक बजट पर आपत्ति नहीं की। पहली बार केंद्र ने परंपरा तोड़ी। संविधान के मुताबिक एलजी का काम मंजूरी देना। एलजी फाइल पर कुछ नहीं लिख सकते। हमने 17 मार्च को मुख्य सचिव के पास बजट की फाइल भेजी थी। वो तीन दिन तक फाइल लेकर बैठे रहे। अहंकार की वजह से फाइल रोक रखी थी। हमने केंद्र की आपत्तियों का जवाब दिया। हमने बजट में कोई बदलाव नहीं किया।

पीएम से हाथ जोड़कर की अपील- मिलजुलकर काम करें

अरविंद केजरीवाल ने कहा मैं हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री से अपील करता हूं कि हम छोटे लोग हैं हमें राजनीति करनी नहीं आती है। घर में लड़ाई होती है वह घर बर्बाद हो जाते हैं। जिस राज्य में लड़ाई होती है वह राज्य बर्बाद हो जाते हैं। सब मिलजुल कर काम करेंगे तो तरक्की होगी।

लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाड़ियों ने की प्रैक्टिस

» जोंटी रोड्स ने बताई बारीकियां, कोच विजय ने दिए बैटिंग के टिप्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटोः सुमित कुमार

लखनऊ। सुपरजाइंट्स के खिलाड़ियों ने अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में अभ्यास किया। मुख्य कोच एंडी फ्लावर और सहायक कोच विजय दहिया ने खिलाड़ियों को बैटिंग और बॉलिंग के गुर सिखाए। साथ ही जोंटी रोड्स ने खिलाड़ियों को फिल्डिंग की बारीकियां बताईं।

दिन में हुई मूसलाधार बारिश के बावजूद लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाड़ी मैदान पर निर्धारित समय शाम 5:00 बजे पहुंचे। फिटनेस के साथ बैटिंग, बॉलिंग व फील्डिंग का अभ्यास किया। मनन वोहरा, आयुष बडोनी, प्रेरक मांकज, कुणाल पांड्या, दीपक हुडा समेत अन्य बैट्समैन ने मैदान पर जमकर चौके छक्के लगाए।

कुणाल पांड्या, आवेश खान, युद्धवीर सिंह आदि ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। मुख्य कोच एंडी फ्लॉवर और विजय दहिया लगातार खिलाड़ियों को टिप्स देते रहे और हौसला बढ़ाते रहे। अभ्यास का यह सिलसिला कल रात साढ़े 8:00 बजे तक चलता रहा। जबकि आज सुबह भी मैदान पर आने से पहले खिलाड़ियों ने जिम में भी जमकर पसीना बहाया। बता दें कि लखनऊ सुपरजाइंट्स अपना पहला मैच 1 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध खेलेगी। इस मैच को लेकर लखनऊ ही नहीं पूरे यूपी में जबरदस्त उत्साह है।

हमारे हिस्से का धन दे केंद्र सरकार : ममता

» भेदभाव के आरोप, 29-30 मार्च को देंगी धरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है राज्य का हिस्सा दे नहीं तो वह केंद्र सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने एक बार फिर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य को केंद्रीय योजनाओं के पैसे से वंचित किया जा रहा है। नाराज ममता ने भाजपा नीत केंद्र सरकार की कथित तानाशाही व भेदभावपूर्ण व्यवहार के खिलाफ इस माह के अंत में 29-30 मार्च को कोलकाता में दो दिवसीय धरने पर बैठने का एलान किया है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ममता ने कहा कि केंद्र ने अभी तक मनरेगा सहित ग्रामीण आवास, सड़क व अन्य योजनाओं का पैसा जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा बंगाल के प्रति केंद्र के भेदभाव व तानाशाही के खिलाफ 29 मार्च से कोलकाता में डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन करूंगी और इसे 30 मार्च की शाम तक जारी रखूंगी। गौतम अदाणी और मेहुल चोकसी इनके परम मित्र हैं और भाजपा सिर्फ इन लोगों (कुछ उद्योगपतियों) के लिए काम कर रही है।

भूकंप से कांपा उत्तर भारत दहशत में सहमे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

6.6 मापी गई रिटर स्केल पर भूकंप की तीव्रता

नई दिल्ली। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में मंगलवार देर रात 10.15 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 133 किमी दक्षिण पूर्व में जमीन से 156 किमी की गहराई में था। पाकिस्तान में 9 लोगों की मौत हो गई है।

वहीं, 302 लोग घायल हैं। अफगानिस्तान में भी दो लोगों की जान चली गई है। भारत में भी इसका असर देखा गया। दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और जम्मू कश्मीर भी हिल गए। इससे लोगों में अफरा-तफरी देखी गई। लोग घबराकर जान बचाने के लिए घरों से बाहर आ गए। दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद के कई इलाकों में लोगों ने पूरी रात घर के बाहर गुजारी।

रणदीप सुरजेवाला को कोर्ट से झटका

» बलवा व तोड़फोड़ केस रद करने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। वाराणसी के कैंट थाने में दर्ज बलवा, तोड़फोड़ व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मुकदमे में कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला को इलाहाबाद हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने सुरजेवाला के विरुद्ध चल रही कार्यवाही रद करने से इन्कार कर दिया है।

हालांकि न्यायालय ने सुरजेवाला को अधीनस्थ अदालत में उन्मोचन अर्जी दाखिल करने की अनुमति दी है। साथ ही उन्मोचन अर्जी के निस्तारण तक उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्वाई नहीं करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने रणदीप सिंह सुरजेवाला की याचिका पर दिया है।

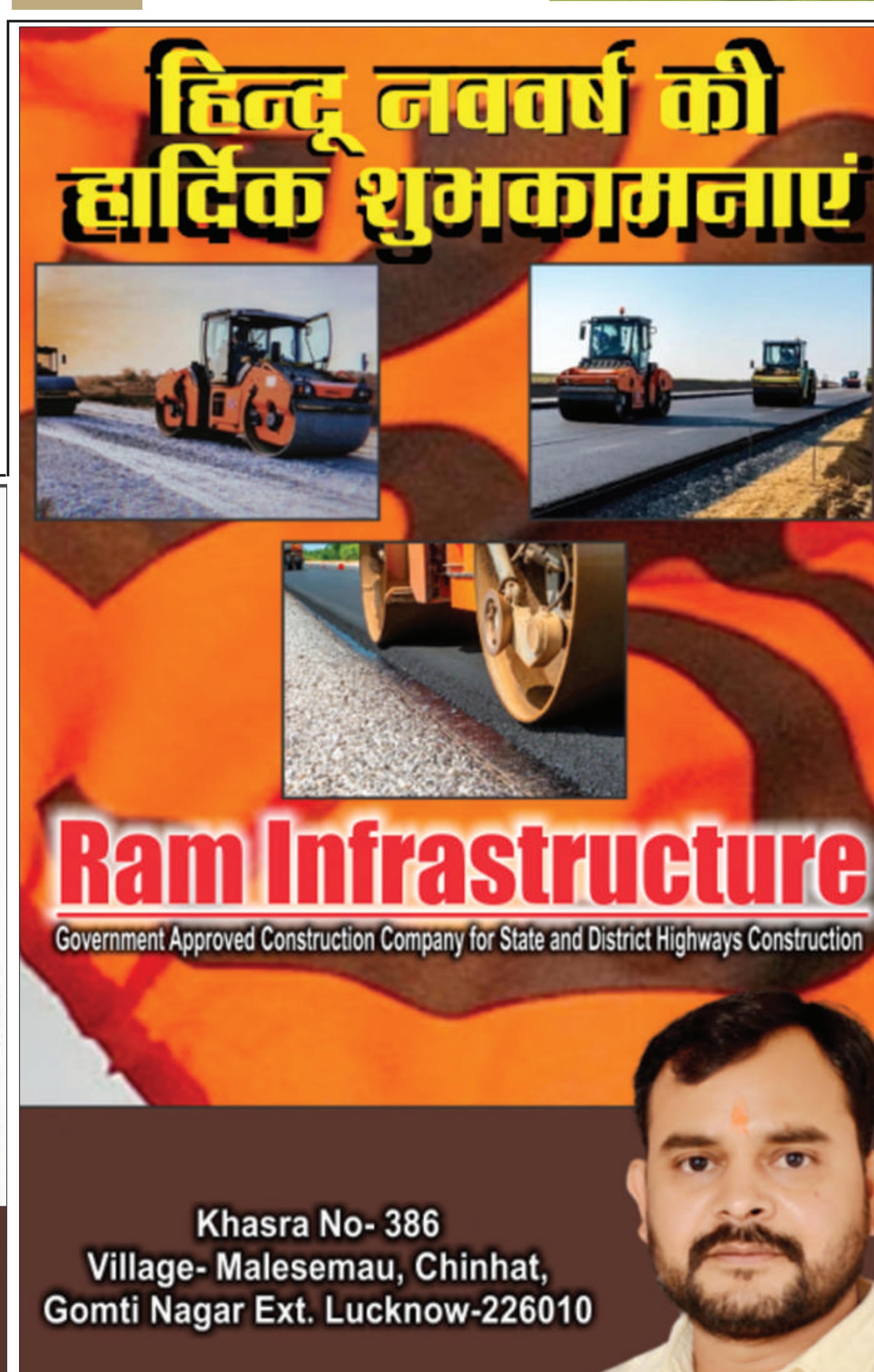

चैत्र नवरात्रि आज से, मंदिरों में उमड़े भक्त

कालीबाड़ी मंदिर में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पूजा-अर्चना की, तो पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप ने अपने निजी आवास पर की माता की आराधना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना का पर्व नवरात्रि आज से शुरू हुआ है। देवी मंदिरों में सुबह से मां के दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, आगरा, मथुरा सहित प्रदेश के देवी मंदिरों में भक्त मां की एक झलक पाने के लिए सुबह से कतार में खड़े हैं। लखनऊ के कैसरबाग स्थित कालीबाड़ी मंदिर में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पूजा अर्चना की तो सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे अरविंद सिंह गोप ने अपने निजी आवास पर माता की आराधना की।

फोटोः सुमित कुमार

नवरात्रि पर आज से कलश स्थापना के साथ ही घरों और मंदिरों में पूजन का क्रम भी शुरू हो गया है। आज ही के दिन भारतीय नव वर्ष की शुरुआत भी हुई है। शहर के कई स्थानों पर दीपदान के साथ ही भारतीय नव वर्ष का स्वागत भी हुआ। आचार्य आनंद दुबे ने बताया कि चैत्र नवरात्रि में ग्रीष्म ऋतु के आगमन की सूचना देता है। शक्ति की उपासना चैत्र मास के प्रतिपदा से नवमी तक की जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्र का 22 मार्च बुधवार से शुरू होगा। 29 को अष्टमी हवन और 30 मार्च को श्रीराम नवमी मनेगी। आचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि इस साल चैत्र नवरात्रि पर माता का वाहन नाव होगी, जो इस बात का संकेत है इस साल खूब वर्षा होगी। सर्वार्थसिद्धि योग अमृतसिद्धि योग नवरात्रि के महात्म्य में वृद्धि करेगा। इसी दिन नवसंवत्सर विक्रम संवत 2080 पिंगल नामक संवत शुरू होगा। इसके राजा बुध व मंत्री शुक्र होंगे। इस बार पूरे नौ दिनों की नवरात्र होगी। नवरात्रि में विशेष योग वाहन, मकान, भूमि, भवन, वस्त्र व आभूषण आदि की खरीदारी अत्यंत शुभ और फलदायक रहेगी।

शुभ मुहूर्त में कलश स्थापित

आचार्य शक्तिधर त्रिपाठी ने बताया कि चैत्र की प्रतिपदा तिथि मंगलवार की रात 10:52 लग गई। बुधवार को रात 8:20 बजे तक मान रहेगा। ऐसे में कलश स्थापना के कई मुहूर्त हैं। श्रद्धालु सुविधा व लग्न के अनुरूप कलश स्थापित कर सकते हैं। मीन लग्न में सुबह 6:13 बजे सुबह 7:19 बजे तक, मिथुन लग्न में सुबह 10:53 बजे से सुबह 11:49 बजे तक, लाभ की चौघड़िया सुबह 6:10 बजे से सुबह 7:41 बजे तक, अमृत की चौघड़िया सुबह 7:41 बजे से 9:12 बजे तक करना श्रेयस्कर होगा। पहले दिन अत्यंत दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसे पूजा-पाठ के लिए बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन शुक्ल योग और ब्रह्म योग का निर्माण हो रहा है। घटस्थापना के लिए साधक का मुख पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए और कलश की स्थापना ईशान कोण में ही करनी चाहिए।

बदायूं में हुआ दर्दनाक हादसा : ट्रॉली में घुसी कार, मासूम समेत दंपती की मौत

» पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में मासूम और दंपती की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। हादसे में एक युवक भी घायल हुआ हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, बदायूं के बिसौली कोतवाली इलाके में कार अनियंत्रित होकर ट्रॉली में जा घुसी। हादसे में डेढ़ साल के मासूम बच्चे समेत दंपती की मौके पर ही

मौत हो गई।

हादसे में एक युवक घायल हो गया, उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। दिल्ली के अंधेरिया मोड़ महरौली निवासी शाकिर शौकत (33) अपनी पत्नी रोजी (29), डेढ़ वर्षीय पुत्र आहद को साथ लेकर वजीरगंज के गांव हतरा स्थित अपनी ससुराल आया था। बुधवार सुबह करीब छह बजे वह ससुराल से अपने घर दिल्ली जा रहा था। साथ में उसका साला मोईन पुत्र याकूब निवासी हतरा भी था। शाकिर कार चला रहा था। इसी दौरान बिसौली थाना इलाके के गांव मदनजुड़ी के पास कार सड़क किनारे खड़ी गन्ने लदी ट्राली में घुस गई। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में शाकिर उसकी आठ माह की गर्भवती पत्नी रोजी और उनके पुत्र आहद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मोईन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में चीख पुकार मची हुई है।

नीतीश को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सीएम नीतीश कुमार को जान से मारने की धमकी देने वाला सूरत से गिरफ्तार कर लिया गया। सूरत के क्राइम ब्रांच ने सीएम नीतीश कुमार को जान से मारने वाले धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर बिहार पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस आरोपी अंकित कुमार को बिहार लेकर आएगी इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी युवक ने व्हाट्सअप के जरिए बिहार के सीएम को जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद, बिहार पुलिस ने युवक को गिरफ्तार करने के लिए गुजरात क्राइम ब्रांच से मदद मांगी। आरोपी को पकड़ने के लिए सूरत क्राइम ब्रांच की एक टीम जांच में जुटी थी। सूरत केइम ब्रांच की एक टीम ने लसकाना गांव निवासी 28 वर्षीय अंकित कुमार विनय कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की कड़ी पूछताछ के बाद पता चला कि आरोपी ने गत 20 मार्च को इंटरनेट के माध्यम से एक मीडिया चैनल से संपर्क किया था। 36 घंटे में मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

मौसम विभाग का एलर्ट

बारिश, आंधी व ओलावृष्टि अभी और ढाएगी कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने पूर्वी व उत्तर भारत को एलर्ट जारी किया है। देश के कई राज्यों में हुई बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है। बारिश के चलते उत्तर भारत के कई राज्यों में मार्च के महीन में ठंड का अहसास हो रहा है।

पूर्वी भारत में ओलावृष्टि के साथ आंधी तूफान की गतिविधि में कमी दर्ज की गई है। हालांकि, 23 से 25 मार्च के दौरान उत्तर पश्चिम भारत और 24-25 मार्च के दौरान मध्य और आसपास के पूर्वी भारत में बारिश/आंधी/ओलावृष्टि गतिविधि का नया दौर शुरू होगा।

पंजाब : अमृतपाल के परिजनों से आज पुलिस ने की पूछताछ

एनबीडब्ल्यू वारंट जारी

हिमाचल में बढ़ाई गई सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में अशांति फैलाने के आरोपी अमृतपाल के खिलाफ पुलिस ने लुकआउट जारी कर दिया है। इसी के साथ पुलिस ने उसके घर पहुंचकर परिजनों से भी पूछताछ की है। पुलिस उस बाइक को भी बरामद कर लिया है जिससे वह फरार हुआ था।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मुख्यालय सुखचैन गिल ने बताया कि भगोड़ा अमृतपाल सिंह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) और गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई में पंजाब पुलिस को दूसरे राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों का पूरा सहयोग मिल रहा है। हिमाचल प्रदेश में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। आईजीपी ने अलग-अलग लुक वाले अमृतपाल की तस्वीरें साझा करते हुए लोगों से फरार अमृपाल के ठिकाने का खुलासा करने की अपील की।

154 लोग गिरफ्तार, ब्रेजा कार व बाइक बरामद

पुलिस महानिरीक्षक ने जानकारी दते हुए बताया कि राज्य में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने के लिए कुल 154 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसका इस्तेमाल अमृतपाल ने 18 मार्च को उस समय किया जब पुलिस की टीमें उसके काफिले का पीछा कर रही थीं। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में भी ये कार दिखाई दी थी। साथ ही पुलिस ने बाइक को भी बरामद कर लिया है।

बदला हुलिया

आईजीपी ने कहा कि यह बात सामने आई है कि अमृतपाल सिंह ने कपड़े बदले और अपना हुलिया भी बदल लिया। साथियों के साथ जाकर अमृतपाल ने गांव नंगल अंबिया के एक गुरुद्वारा साहिब में कपड़े बदले और दो मोटरसाइकिलों पर वहां से फरार हो गए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।